# वानिकी महाविद्यालय शुआट्स में 70वाँ वन्य जीव सप्ताह का आयोजन

## मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह

*पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08 अक्टूबर, 2024 **"सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण"** विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7 का 70वाँ संस्करण मनाया गया। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह दिनांक 07.10.2024 का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। आयोजित वन्य जीव सम्पताह समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन–सीटू और एक्स–सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव–वन्यजीव संघर्ष दिन–प्रतिदिन बढ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेगा–विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। डॉ. एंटनी ने*

*छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में अपने विचार साझा किये। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। उन्होने बताया कि प्रारम्भ में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, जिसे बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोह के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए केन्द्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम. वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को धन्यवाद दिया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गयी जिसमें क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण–पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। छात्रा राखी कुमारी और एम.एम. राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने क्विज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आनन्दिता और पूजा आर नाम्बियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।*

In continuation with Hon'ble Prime Minister's
Vision to Protect Environment
WILDLIFE WEEK CELEBRATIONS
2nd to 8th October 2024

2nd to 8th October 2024

In continuation with Hon'ble Prime Minister's
Vision to Protect Environment
WILDLIFE WEEK CELEBRATIONS
2nd to 8th October 2024
College Of Forestry
Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences
Prayagraj (Allahabad)-211007, Uttar Pradesh, India
(U.P. State Act No. 35 of 2016, as passed by the Uttar Pradesh Legislature)

In continuation with Hon'ble Prime Minister's
Vision to Protect Environment
WILDLIFE WEEK CELEBRATIONS
2nd to 8th October 2024
College Of Forestry
Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences
Prayagraj (Allahabad)-211007, Uttar Pradesh, India
(U.P. State Act No. 35 of 2016, as passed by the Uttar Pradesh Legislature)

COLLEGE OF FORESTRY
CULTURE ROOM

WILDLIFE WEEK CELEBRATIONS
2nd to 8th October 2024

2nd to 8th October 2024

WILDLIFE WEEK CELEBRATIONS

WILDLIFE WEEK CELEBRATIONS
2nd to 8th October 2024
College Of Fores
Sam Higginbottom University of Agriculture, Techn
Prayagraj (Allahabad)-211007, Uttar


COLLEGE OF FORESTRY
COLLEGE OF FORESTRY

वर्ष : 30 | अंक :337
प्रतापगढ़ | मंगलवार , 8 अक्टूबर-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक सच्चाई की जंग

# लोकमित्र

प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित

R.N.I. No. : 71870/94


# वानिकी महाविद्यालय ने परिसर में 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया

**नैनी(प्रयागराज)।** पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 2 से 8 अक्टूबर, 2024 ÷सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण÷ विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वें संस्करण मना रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में, प्रो.डॉ.एंटनी जोसेफ राज (वानिकी महाविद्यालय के डीन और निदेशक) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। प्रो.डॉ.एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत




की प्रतिबद्धता के कारण, हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32ः हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70ः से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि.. वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. संजय सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। समारोह में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की वैज्ञानिक डी) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 2 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), प्रो. डॉ. एंटनी जोसेफ राज (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को धन्यवाद दिया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गइ जिनमें क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। छात्रा सुश्री. राखी कुमारी और सुश्री. एम.एम. राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और श्री. निहित हंसल नाग और श्री.राजदीप सरकार ने क्विज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सुश्री. आनन्दिता और सुश्री.पूजा आर. नाम्बियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और श्री. राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

# वानिकी महाविद्यालय शुआट्स द्वारा 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया गया

**(सहजसत्ता संवाददाता)**

प्रयागराज।पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08 अक्टूबर, 2024 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थित थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताहू 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया




लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए केन्द्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को । धन्यवाद दिया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गयी जिसमें क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। छात्रा सुश्री राखी कुमारी और एम.एम. राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने क्विज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आनन्दिता और पूजा आर नाम्बियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता

# हनुमान प्रसाद केसरवानी को अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य समाज का बनाया गया प्रदेश अध्यक्ष



**(सहजसत्ता संवाददाता)**

कौशाम्बी।अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य समाज का हनुमान प्रसाद केसरवानी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर उतर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पधाकरियो ने हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिया है मंडल प्रभारी जिला अध्यक्ष रमेश केसरवानी में कहां की श्री हनुमान प्रसाद केसरवानी जी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर केशरवानी समाज पूरे प्रदेश में और मजबूत होगा और पूरे प्रदेश में केशरवानी समाज को नई दिशा मिलेगी श्री हनुमान

# वानिकी महाविद्यालय शुआट्स द्वारा 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया गया

**बीके यादव/ बालजी दैनिक**

प्रयागराज-पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08 अक्टूबर, 2024 सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थित थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफ्फॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

# वानिकी महाविद्यालय ने शुऑट्स परिसर में मनाया 70वाँ वन्य जीव सप्ताह

**इलाहाबाद एक्सप्रेस**

**प्रयागराज।** पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 2 से 8 अक्टूबर, 2024 -सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण- विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वें संस्करण मना रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में, प्रो.डॉ.एंटनी जोसेफ राज (वानिकी महाविद्यालय के डीन और निदेशक) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। प्रो.डॉ.एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण, हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32: हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70: से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। प्रो.डॉ.एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि.. वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. संजय सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की वैज्ञानिक डी) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं।

स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफ्फॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 2 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), प्रो. डॉ. एंटनी जोसेफ राज (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को धन्यवाद दिया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गइ जिनमें क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। छात्रा सुश्री. राखी कुमारी और सुश्री. एम.एम. राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और श्री. निहित हंसल नाग और श्री.राजदीप सरकार ने क्विज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सुश्री. आनन्दिता और सुश्री.पूजा आर. नाम्बियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और श्री. राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
स्थापित – 1948
बहुभाषी न्यूज एजेंसी
Tuesday, 8 October, 2024

## वन्यजीवों का संरक्षण भारत की सांस्कृतिक पहचान : डॉ. संजय सिंह

-वन्यजीवों के आवास पर अतिक्रमण से मानव वन्यजीव संघर्ष बढ रहा

-वानिकी महाविद्यालय शुआट्स ने 70वां वन्य जीव सप्ताह मनाया

प्रयागराज, 07 अक्टूबर (हि.स.)। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों की मूल सांस्कृतिक पहचान है। यह बातें भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कही।

सोमवार को पर्यावरण की रक्षा के लिए सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय में 2 से 8 अक्टूबर तक "सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण" विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। डॉ. संजय सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है।

डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय के प्रो.डॉ. एंटनी जोसेफ राज ने कहा कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉट स्पॉट में से चार का मेजबान है। वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों पर कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक सफलता है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र उपस्थित थीं। डॉ. अफाक ने बताया कि पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्तुत किया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जिसमें क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए।

# वन्यजीवों का संरक्षण भारतीय संस्कृति का मूल

**व्याख्यान**

**नैनी, हिन्दुस्तान संवाद।** शुआट्स में वन्यजीव सप्ताह का 70वां संस्करण मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सोमवार को 'सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों की मूल संस्कृति की पहचान है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। प्रो. एंटनी जोसेफ राज ने कहा हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित हैं। इस अवसर ड्राइंग प्रतियोगिता में राखीऔर एमएम राजलक्ष्मी, क्विज में निहित हंसल नाग व राजदीप सरकार, वैज्ञानिक नाम लेखन में आनन्दिता व पूजा आर नाम्बियार, फोटोग्राफी में राजदीप सरकार ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक जेम्स आदि मौजूद रहे।

# वन्यजीवों के संरक्षण का आह्वान

प्रयागराज। सैम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय में सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण विषय पर सोमवार को गोष्ठी हुई। वानिकी महाविद्यालय के डीन एवं निदेशक प्रोफेसर डॉ. एंटनी जोसेफ राज ने छात्रों और युवाओं से वन्यजीवों के संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र के प्रभारी डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने को कहा। इस दौरान छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं भी कराई गईं।

राखी कुमारी और एमएम राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में, निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने क्विज प्रतियोगिता में, आनंदिता और पूजा आर नांबियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में और राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। गोष्ठी में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. अफाक माजिद वानी, डॉ. अभिषेक जेम्स आदि मौजूद रहे। संवाद

# संक्षिप्त समाचार

शुआट्स में आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि • सौ. शुआट्स

## वन्य जीव सप्ताह में जैव विविधता के संरक्षण पर जोर

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : सैम हिगिनबाटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के वानिकी महाविद्यालय ने 70वें वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया। "सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण" विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के महत्व और देश की जैव विविधता के संरक्षण में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जागरूकता फैलाना था। इस दौरान प्रश्नोत्तरी, ड्राइंग, वन्यजीव फोटोग्राफी और वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। ड्राइंग में राखी कुमारी और एमएम राजलक्ष्मी ने तथा क्विज में निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने स्वर्ण पदक जीता। वानिकी महाविद्यालय के डीन एवं निदेशक डा. एंटनी जोसेफ राज ने कहा कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और यहां चार जैव विविधता हाटस्पाट हैं। डा. अभिषेक जेम्स, डा. अफाक एम वानी उपस्थित रहे।

Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. 2016/1957

Published From
DELHI LUCKNOW BHOPAL BHUBANESWAR
RANCHI RAIPUR CHANDIGARH
DEHRADUN HYDERABAD VIJAYWADA

Late City Vol.160 Issue 240
*Air Surcharge Extra if Applicable

OPINION 6
IC-814: LESSONS BEYOND THE BINARY

WORLD 9
NETANYAHU DEMANDS CONTROL OF GAZA'S BORDER WITH EGYPT

MONEY 10
FOREIGN INFLOWS LIFT MARKETS HIGH

LUCKNOW, FRIDAY SEPTEMBER 6, 2024; PAGES 12 ₹3

Established 1864

the pioneer

www.dailypioneer.com

MAKING OF PARALYMPIC ICON ARCHER HARVINDER
12 SPORTS

# Importance of tiger conservation efforts highlighted

**Prayagraj (PNS):** In support of Prime Minister's vision to protect Environment, College of Forestry of Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences (SHUATS), has been celebrating the 70th edition of Wildlife Week from October 2 with the theme "Wildlife Conservation Through Co-Existence." It will continue till October 8.

The focus of the Wildlife Week celebrations at College of Forestry was to promote awareness on the importance of all forms of wildlife and the need for collaborative efforts in preserving nation's rich biodiversity. In his presidential address, Prof Antony Joseph Raj, Dean of College of Forestry and Director, informed that India is one of the 17 mega-diversity countries and host to four of the world's 36 biodiversity hotspots. Prof Antony mentioned that due to commitment for the wildlife protection, our country has established the network of 1,014 protected areas, including 106 national parks, 573 wildlife sanctuaries, 115 conservation reserves and 220 community reserves. He highlighted the importance of tiger conservation efforts in our country through Project Tiger which has scripted a remarkable success story in the growth of tigers from 1,411 in 2006 to 3,682 in the year 2023 with 55 Tiger Reserves and India is now home to more than 70 per cent of the world's wild tiger population. Dr Antony urged the students and young people to turn into role models in raising awareness and instilling a sense of responsibility for the conservation of India's remarkable wildlife. Chief guest Dr Sanjay Singh, Head of ICFRE-Eco Rehabilitation Centre, Prayagraj, emphasised that conservation of wildlife is the core cultural identity of Indians. Dr Sanjay Singh informed that India is the only country in the world where Asiatic lion and tiger both exist together and stressed that in situ and ex-situ conservation is very important for wildlife conservation. Dr Singh added that human wild life conflict is increasing day by day due to the encroachment of wildlife habitats. He shared his experiences as an expert in the government high-level committees for wildlife conservation. Dr Singh called upon the students to go with a broad vision towards wildlife conservation and management. Dr Anubha Srivastava (scientist D of ICFRE-Eco Rehabiltation Centre) was present as the guest of honour in the Wildlife Week celebration function. In the welcome address, DrAfaq M Wani, Head of Forest Biology, Tree Improvement and Wildlife Sciences revealed that the idea of Wildlife Week was conceived by the Indian Board of Wildlife in the year 1952. Dr Afaq informed that initially First Wildlife Day was observed on October 2, 1955, but later the name was changed to Wildlife Week. He added that the first Wildlife Week was observed from October 2 to 8 in the year 1957. DrAbhishek James, Associate Dean of College of Forestry, proposed the vote of thanks. Dr James thanked Dr Sanjay Singh, Dr Anubha Srivastava, Prof Antony Joseph Raj (Dean of College of Forestry), Dr Afaq M Wani (Head), all faculty members and students for making the Wildlife Week celebrations in College of Forestry a grand success. The important events and competitions for the students were quiz competition, drawing competition, wildlife photography competition and Scientific Name (wild animals and birds) Writing Competition. Certificates and prizes were distributed to the winners.

स्वतंत्र भारत

प्रयागराज, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024

# वानिकी महाविद्यालय ने शुऑट्स परिसर में 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया''

**स्वतंत्र भारत संवाददाता प्रयागराज।**पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 2 से 8 अक्टूबर, 2024 'सह-अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वें संस्करण मना रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में, प्रो.डॉ.एंटनी जोसेफ राज (वानिकी महाविद्यालय के डीन और निदेशक) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। प्रो.डॉ.एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण, हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32% हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। प्रो.डॉ.एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के

उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि.. वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. संजय सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की वैज्ञानिक डी) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 2 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया।

## वानिकी महाविद्यालय शुआट्स ने 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया

# वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। यह बातें भा.वा.अ.शि.प पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कही।

सोमवार को पर्यावरण की रक्षा के लिए सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय ने 2 से 8 अक्टूबर तक 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। डॉ संजय सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़

रहा है।

डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय के प्रो.डॉ. एंटनी जोसेफ राज ने कहा कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉट स्पॉट में से चार का मेजबान है। वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने कहा प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों पर कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक सफलता है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र उपस्थित थीं। डॉ. अफाक ने बताया कि पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्तुत किया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी जिसमें क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए।

---

KT KAUSHAMBI TIMES
हिन्दी दैनिक कौशाम्बी टाइम्स
प्रयागराज, मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024

### *वानिकी महाविद्यालय द्वारा 70वाँ वन्य जीव सप्ताह मनाया गया*

# समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की जरूरत-डॉ.एंटनी

**कार्यालय संवाददाता**

प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 02 से 08 अक्टूबर, 2024 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है।

वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है। डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1,411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3,682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से

भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थित थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया।

डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए केन्द्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को । धन्यवाद दिया। छात्रों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित कि गयी जिसमें क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक नाम (जंगली जानवर और पक्षी) लेखन प्रतियोगिता थीं। प्रतियोगिताओं के योग्य विजेताओं को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। छात्रा सुश्री राखी कुमारी और एम.एम. राजलक्ष्मी ने ड्राइंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और निहित हंसल नाग और राजदीप सरकार ने क्विज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आनन्दिता और पूजा आर नाम्बियार ने वैज्ञानिक नाम लेखन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और राजदीप सरकार ने वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

# वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान - डॉ संजय सिंह

**प्रभात वंदना संवाददाता**

प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7 का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है।

डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1, 411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3, 682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई

के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थित थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए केन्द्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को। धन्यवाद दिया।

प्रयागराज - मंगलवार, 8 अक्टूबर, 2024 | प्रयागराज 3

वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान - डॉ संजय सिंह

**विद्रोही सामना संवाददाता**

प्रयागराज। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के समर्थन में, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वानिकी महाविद्यालय ने 'सह अस्तित्व के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण' विषय के साथ वन्यजीव सप्ताह 7 का 70वाँ संस्करण मनाया जा रहा है। वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह का उद्देश्य सभी प्रकार के वन्यजीवों के महत्व और देश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करने में सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (डीन एवं निदेशक, वानिकी महाविद्यालय) ने बताया कि भारत 17 मेगा-विविधता वाले देशों में से एक है और दुनिया के 36 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार का मेजबान है।

डॉ. एंटनी ने गर्व से उल्लेख किया कि वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत की प्रतिबद्धता के कारण हमारे देश ने 106 राष्ट्रीय उद्यानों, 573 वन्यजीव अभयारण्यों, 115 संरक्षित क्षेत्र और 220 सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र सहित 1014 संरक्षित क्षेत्रों का तंत्र स्थापित किया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 5.32 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। उन्होंने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से हमारे देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2006 में 1, 411 से 2023 में 55 टाइगर रिजर्व के साथ बाघों की आबादी 3, 682 हो जाना एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है और भारत अब दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ आबादी का घर है। डॉ. एंटनी ने छात्रों और युवाओं से भारत के उल्लेखनीय वन्यजीवों के संरक्षण का संरक्षण भारतीयों के मूल सांस्कृतिक की पहचान है। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां एशियाई

के लिए जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने में रोल मॉडल बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने बताया कि वन्यजीवों शेर और बाघ दोनों एक साथ पाए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की उच्च स्तरीय समितियों के विशेषज्ञ के रूप में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. संजय सिंह ने सभी छात्रों से वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वन्यजीव सप्ताह समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज उपस्थित थीं। स्वागत भाषण में वन जीव विज्ञान, वृक्ष सुधार और वन्यजीव विज्ञान के प्रमुख डॉ. अफॉक माजिद वानी ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह का विचार भारतीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा वर्ष 1952 में किया गया था। डॉ. अफाक ने बताया कि शुरूआत में पहला वन्यजीव दिवस 02 अक्टूबर 1955 को मनाया गया था, लेकिन बाद में नाम बदलकर वन्यजीव सप्ताह कर दिया गया। डॉ. अफाक ने कहा कि पहला वन्यजीव सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 1957 में मनाया गया था। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए जागरूकता समारोहों के महत्व पर भी बल दिया। वानिकी महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. अभिषेक जेम्स ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. जेम्स ने वानिकी महाविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह समारोह को एक शानदार सफलता बनाने के लिए केन्द्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह (मुख्य अतिथि), वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव (विशिष्ट अतिथि), डॉ. एंटनी जोसेफ राज, प्रोफेसर (वानिकी महाविद्यालय के डीन), डॉ. अफाक एम वानी (प्रमुख), सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को। धन्यवाद दिया।